प्रेस विज्ञप्ति

हाइट्स ने स्वास्थ्य परियोजनाओं के लिए प्रोटोटाइप मॉडल विकसित किए

- **केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने हॉस्पिटल आर्किटेक्चर के लिए प्रोटोटाइप मॉडल की हैंडबुक का विमोचन किया**

नई दिल्ली, 28 अगस्तः राज्यों को महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने में मदद करने की केंद्र सरकार की योजना के तहत एचएलएल लाइफकेयर की सहयोगी कंपनी एचएलएल इंफ्रा टेक सर्विसेज लिमिटेड (हाइट्स) ने सुपर-स्पेशियल्टी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों तथा कैंसर उपचार केंद्रों के निर्माण समेत कई परियोजनाओं के लिए प्रोटोटाइप मॉडल्स (नमूना मॉडल्स) विकसित किए हैं।

ये मॉडल्स हैंडबुक्स की शक्ल में तैयार किए गए हैं जिसमें हेल्थकेयर केंद्रों के लिए लागत और मूल्यांकन, भूमि आवश्यकता, इंफ्रास्ट्रक्चर तथा सर्विस प्लानिंग जैसी सभी तरह की जानकारी उपलब्ध है। इस हैंडबुक में मैनपावर प्लानिंग, सूचना प्रौद्योगिकी जरूरतें, मेडिकल उपकरण और हॉस्पिटल आर्किटेक्चर की फर्नीचर प्लानिंग जैसी जानकारी भी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव श्री सी के मिश्रा ने कहा कि हाइट्स की इस तरह की श्रेष्ठ पहल विभिन्न राज्य सरकारों को अधिकतम कुशलता के साथ और कम अवधि में हेल्थकेयर परियोजनाएं संचालित करने में मदद करेगी।

इससे संबंधित पुस्तिका का शुक्रवार को विमोचन करते हुए उन्होंने कहा, "भविष्य के स्मार्ट शहरों में खास तौर से हेल्थकेयर सुविधाओं की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किसी परियोजना में कुशल नियोजन, प्रभावशाली कार्यान्वयन और उसका किफायती होना महत्वपूर्ण होता है। अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों तथा सुपर-स्पेशियल्टी हेल्थ सेंटरों जैसी परियोजनाएं शुरू करने के लिए राज्य सरकारों के अलावा हेल्थकेयर से जुड़ी प्राइवेट कंपनियों को इस पुस्तिका से बहुत फायदा मिलेगा।"

इस मौके पर मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, एचएलएल के सीएमडी श्री आर पी खंडेलवाल तथा हाइट्स के सीईओ श्री एस एन साथू भी उपस्थित थे।

इस पुस्तिका में 120 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशियल्टी टीचिंग हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेज (100 छात्रों के दाखिले की क्षमता), मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल (30 बिस्तर, 50 बिस्तर और 100 बिस्तर), ऑन्कोलॉजी सेंटर, डायलिसिस सेंटर, वेलनेस सेंटर, रिहैबिलिटेशन सेंटर, इमरजेंसी यूनिट तथा वृद्धजन केंद्र (30 बिस्तर यूनिट) जैसे हेल्थकेयर केंद्रों के निर्माण संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई है।

पुस्तिका में भविष्य के स्मार्ट शहरों के लिए हेल्थकेयर समाधानों की विशेष जानकारी और वृद्धजन केंद्र के निर्माण संबंधी जानकारी भी दी गई है।

श्री खंडेलवाल ने कहा कि यह पुस्तिका स्वास्थ्य केंद्रों पर प्लानिंग से इंफ्रास्ट्रक्चर और लागत मूल्यांकन से लेकर सुविधाओं तक के खर्च की समग्र जानकारी देती है।

उन्होंने कहा, "यह पुस्तिका स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने के लिए विभिन्न राज्य सरकारों तथा निजी कंपनियों के लिए एक बनी-बनाई खर्च अनुमान पुस्तिका है। भारत के विकसित हो रहे स्मार्ट शहरों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संदर्भ पुस्तकों का भी जिक्र किया गया है।"

श्री साथू ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के उद्देश्यों के तहत यह पुस्तिका हाइट्स, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की एक्जीक्यूटिंग एजेंसी और विभिन्न राज्य सरकारों को अपने प्रतिद्वंद्वियों के बीच अधोसंरचना विकास, फैसिलिटी मैनेजमेंट, खरीद तथा सहायक सेवाओं जैसी बेहतर अत्याधुनिक सेवाएं देने में सक्षम बनाएगी।

देश की एकमात्र समग्र हेल्थकेयर सेवा प्रदाता कंपनी हाइट्स ने प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग सेवाओं, मेडिकल उपकरणों की खरीद तथा फैसिलिटी मैनेजमेंट के लिए प्रतिस्पर्धा विकसित की है। इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के अलावा इसके तीन और आयाम हैं: फैसिलिटी मैनेजमेंट, प्रोक्योरमेंट एंड कंसल्टेंसी तथा बायोमेडिकल इंजीनियरिंग सर्विसेज।